हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 29 .8 डिग्री
न्यूनतम 13 .6 डिग्री

12 नागरिक अस्पताल की सफाई में जुटी स्वास्थ्य विभाग की टीम, 12 सप्ताह से चल रहा अभियान

12 नमो भारत आरआरटीएस को बावल तक मिली मंजूरी, पहले चरण में धारूहेड़ा तक थी योजना

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 9 सितंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। जांच के बाद इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के पनवाल निवासी उमेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। कोसली थाना पुलिस ने 3 अक्टूबर को हुए हादसे के बाद फरार हुए चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने कारोली निवासी संजय को गिरफ्तार किया है। उसका ट्रैक्टर भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई थी। खोल थाना पुलिस ने 8 अप्रैल को हुए हादसे में आरोपी चालक सीहा निवासी सुभाष को गिरफ्तार किया है।दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

युवक ने संदिग्ध हालत में निगला जहर, हालत गंभीर

रेवाड़ी। बोहतवास अहीर में शुक्रवार की रात एक अमरूद के बाग में कार्यरत युवक ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे गंभीरावस्था में एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस जहर खाने के कारणों की जांच कर रही है। मूल रूप से यूपी के बुलंदशहर का रहने वाला लगभग 40 वर्षीय सुंदरलाल बोहतवास अहीर में बीरसिंह के अमरूद के बाग में 3 साल से कार्यरत है। वह पास में ही बने में रहता है। रात को उसने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर पता चलते ही उसे एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया गया। सूचना मिलने के बाद रामपुरा थाना पुलिस ने जहर खाने के कारणों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। युवक की हालत शनिवार शाम तक गंभीर बनी हुई थी।

ब्लॉक समिति की सरकार गिराने के लिए भ्रमण पर सदस्य, अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के लिए बैठक 24 को

करवा चौथ पर भी दीदार करने नहीं पहुंची महिला अब दिवाली पर भी आगमन की उम्मीद तोड़ रही दम

मामला एक-दो सदस्यों पर अटका हुआ है। एक या दो सदस्यों के पाला बदलने के साथ ही बाजी भी पलट सकती है

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

धारूहेड़ा ब्लॉक समिति की सरकार गिराने और बचाने की कवायद में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह समर्थक दो गुटों में अंदरखाने जबरदस्त जंग छिड़ी हुई है। एक गुट वर्तमान चेयरमैन दलबीर सिंह की कुर्सी सलामत रखने के लिए पूरा प्रयास कर रहा है, तो राव के ही एक खास गोपनीय तरीके से दलबीर को चलता कराने की मुहिम में जुटे हुए हैं। इस कवायद में कई ब्लॉक समिति के सदस्य 'भ्रमण' पर हैं, जिनमें एक महिला सदस्य का पति पुलिस तक से अपनी पत्नी की वापसी की गुहार लगा चुका है। करवा चौथ का पर्व बीत जाने के बाद उसे दीवाली पर भी पत्नी की वापसी की उम्मीद नजर नहीं आ रही। इसका कारण यह है कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 24 अक्टूबर का दिन तय किया गया है।

चेयरमैन के प्रति सौंपा था शपथ पत्र

गत 19 सितंबर को ब्लॉक समिति के 22 में से 16 सदस्यों ने डीसी से मिलकर चेयरमैन दलबीर सिंह के प्रति असंतोष जाहिर करते हुए शपथ पत्र दिए थे। समिति सदस्यों ने चेयरमैन पर विकासकार्यों में अनियमितताएं बरतने से लेकर अपने चहेते ठेकेदारों को ठेके दिलाने जैसे आरोप लगाए थे। असंतोष जाहिर करने वाले समिति सदस्यों का नेतृत्व एक कांग्रेसी खेमे से जुड़ा हुआ सदस्य कर रहा था, जो बाद में अधिकांश असंतुष्ट पार्षदों को अपने साथ भ्रमण पर ले गया। उसके बाद से ही कई ब्लॉक समिति सदस्य भ्रमण पर बताए जा रहे हैं। इनमें कुछ महिला सदस्य भी शामिल हैं, जिन्हें 'अज्ञात' स्थान पर रखा हुआ है। दलबीर सिंह केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खेमे से जुड़े रहे हैं। उन्हें चेयरमैन पद से चलता करने के लिए भी राव खेमे से जुड़े एक नेता अंदरखाने पूरी ताकत लगा रहे हैं।

कई सदस्यों के अज्ञातवास में जाने के बाद इस खेमे से जुड़े लोगों को उनसे संपर्क साधने में दिक्कतें आ रही

डीसी अभिषेक मीणा को ज्ञापन सौंपते हुए धारूहेड़ा ब्लॉक समिति सदस्य।

बहुमत के लिए अभी और सदस्यों को पक्ष में लाना जरूरी

सूत्रों के अनुसार इसी नेता के इशारे पर ब्लॉक समिति सदस्यों को अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के दिन तक अज्ञात स्थान पर रखा हुआ है। दूसरी ओर दलबीर को चेयरमैन बनवाने में भूमिका अदा कर चुका राव समर्थकों का एक खेमा अभी भी उन्हें पद पर बरकरार रखने की कवायद में जुटा हुआ है। सूत्र बताते हैं कि इस खेमे की ओर से शपथ पत्र दिए जाने के बाद ही कुछ नाराज सदस्यों को मनाने के प्रयास शुरू कर दिए थे, परंतु बहुमत के लिए अभी और सदस्यों को पक्ष में लाना जरूरी है।

महिला का पति हो चुका परेशान

भ्रमण में निकले ब्लॉक समिति सदस्यों में से एक महिला का पति अपनी पत्नी की सकुलशल घर वापसी को लेकर काफी परेशान बताया जा रहा है। उसने धारूहेड़ा पुलिस थाने में पत्नी का अपहरण किए जाने की आशंका से शिकायत भी दर्ज कराई थी, परंतु पुलिस ने महिला से हुई वीडियो कॉल पर बातचीत के बाद मामले में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई। महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मर्जी से बाहर है और अपनी मर्जी से ही वापस घर आएगी। करवा चौथ के दिन भी पति अपनी पत्नी का इंतजार करता रहा। समिति की बैठक 24 अक्टूबर को निर्धारित होने के कारण उसका दीवाली के दिन भी घर पहुंचना मुश्किल नजर आ रहा है।

पासा पलटने के लिए कुछ सदस्य जरूरी

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दलबीर सिंह की चेयरमैनी बचाने के लिए उनके विरोध के साथ ही प्रयास शुरू हो गए थे। जिन सदस्यों ने शपथ पत्र दिए थे, उनमें से कुछ दलबीर के पक्ष में आ गए थे। कई सदस्यों के अज्ञातवास में जाने के बाद इस खेमे से जुड़े लोगों को उनसे संपर्क साधने में दिक्कतें आ रही हैं। मामला एक-दो सदस्यों पर अटका हुआ है। एक या दो सदस्यों के पाला बदलने के साथ ही बाजी भी पलट सकती है। यही कारण है कि विरोधी खेमे की ओर से अंतुष्ट सदस्यों को दूसरे खेमे से दूर रखा हुआ है। देखना यह है कि यह खेमा दलबीर को बचा पाएगा या नहीं।

विरोधी खेमे की ओर से अंतुष्ट सदस्यों को दूसरे खेमे से रखा हुआ है दूर

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए पेड़ों की छंटाई, कस्बे में चार घंटे बाधित रही सप्लाई

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में पेड़ों की छंटाई का कार्य करते बिजली कर्मी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

बिजली निगम की ओर से शनिवार को धारूहेड़ा कस्बे के नंदरामपुर बास रोड, दिल्ली रोड व हाउसिंग बोर्ड सहित कई स्थानों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए पेड़ों की छंटाई का कार्य किया। इस कार्य के कारण सुबह 10 बजे से 2 बजे तक चार घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहीं। बिजली निगम ने कई फीडरों में पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई का कार्य किया। कस्बे में लंबे समय से पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों और पोल को प्रभावित कर रही थी, जिससे शॉर्ट सर्किट और ट्रिपिंग की समस्या बढ़ गई थी। बरसात के मौसम में पेड़ों की बढ़ी हुई टहनियों के कारण बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी और बिजली निगम के कर्मचारियों को फाल्ट तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। कई स्थानों पर तो पेड़ों की टहनियां सीधे तारों और पोल पर टिकी हुई थी, जिससे बिजली आपूर्ति में अवरोध और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी।

दिवाली पर पावर कट से निजात मिलेगी

बिजली निगम के अधिकारियों ने कहा कि दिवाली पर्व को लेकर उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए व्यवस्था बनाई जा रही है। दिवाली पर पावर कट से निजात मिलेगी और कस्बे में निर्बाध बिजली आपूर्ति रहेगी। जिन पेड़ों की छंटाई की गई, उनकी शाखा 33 व 11 हजार हाई वोल्टेज की बिजली लाइन में फंसी हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि बरसात के मौसम में पेड़ों की बढ़ी हुई टहनियों के कारण बिजली आपूर्ति में बाधाएं बढ़ गई थीं। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह कार्य अत्यंत आवश्यक था। कार्य के बाद दोपहर 3 बजे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल की गई।

डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा

जिले में डेंगू का आंकड़ा 254 पर पहुंचा अक्टूबर माह में मिले चुके 37 मरीज

■ घरों में कूलर, फ्रिज, पानी की टंकी व आसपास जमा पानी में लार्वा की जांच की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में डेंगू पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। डेंगू के तीन नए मरीज और मिलने से सीजन में पॉजिटिव मरीजों की संख्या 254 पर पहुंच चुकी है। अक्टूबर माह में अब तक में 37 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। गत वर्ष जिले में डेंगू के 411 मरीज मिले थे। नगर परिषद की ओर से गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी फोगिंग कार्य में सुस्ती बरतने के कारण डेंगू का आंकड़ा प्रदेश में सबसे ज्यादा हो गया है। डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव ने कहा कि हेल्थ इंस्पेक्टर टीम के साथ ब्रीडिंग चेकर डेंगू की रोकथाम के लगातार प्रयास कर रहे है। लोगों को डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है तथा घरों में कूलर, फ्रिज, पानी की टंकी व आसपास जमा पानी में लार्वा की जांच की जा रही है। घरों में लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। अब तक लार्वा मिलने पर 3451 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग की एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर टीम अब तक सोर्स रिडेक्शन एक्टिविटी के तहत 1893660 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है। मलेरिया हेल्थ इस्पेक्टर हरिप्रकाश ने बताया कि इस सीजन में अभी तक डेंगू के 254 केस आ चुके है। मलेरिया के भी 14 केस आ चुके है।

रेवाड़ी। पानी की टंकी में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी, टायर में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी,जमा पानी में दवाई डालते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

डेंगू व मलेरिया के लक्षण

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव और काला पखाना होना डेंगू के लक्षण हैं। मलेरिया में मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो अपना इलाज कराएं।

गर्मी की विदाई के साथ ठंड की दस्तक, कूलर और एसी का इस्तेमाल हुआ कम

दिन के समय अभी भी मौसम का मिजाज गर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लगभग एक सप्ताह से लगातार गिर रहे तापमान के कारण रात के समय सर्दी का असर शुरू हो गया है। दिन के समय अभी भी मौसम का मिजाज गर्म रहता है। आसमान साफ होने के बाद तेज धूप के चलते दिन के तापमान में वृद्धि शुरू हो गई है। अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में रात के समय ठंड का प्रभाव बढ़ेगा, जबकि दिन के समय मौसम अनुकूल बना रहेगा। अभी कुछ दिनों तक आसमान साफ रहेगा, जिससे बारिश की कोई संभावना नहीं है। बीते 5 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उसके बाद से रात का तापमान लगातार नीचे आता रहा। इससे रात के समय लोगों को गर्मी से राहत मिलना शुरू हो गया। अब रात का पारा 14.0 डिग्री से भी नीचे आ गया है, जिससे सर्दी की शुरूआत होने लगी है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। दोपहर तक तेज धूप के चलते मौसम गर्म बना रहा। अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री बढ़कर 29.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस की मामूली वृद्धि के साथ 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के समय कूलर और एसी का इस्तेमाल काफी कम हो गया है। दिन में दोपहर के समय ही गर्मी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। सुबह और शाम के समय गर्मी का असर लगभग खत्म हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ बना रहेगा। अभी बरसात की जल्द कोई संभावना नहीं है। मौसम साफ रहने के कारण दिन के समय तापमान कुछ दिन और बढ़ सकता है, परंतु रात के तापमान में ज्यादा वृद्धि संभावित नहीं है।

एक सप्ताह तक गिरा रात का पारा, मौसम साफ होने के बाद उछाल आना शुरू

`वाड़ी। सरसों की बिजाई के लिए तैयार किया गया खेत। फोटो :हरिभूमि

सरसों की बिजाई ने पकड़ा जोर

बारिश का सिलसिला थमने के बाद किसानों ने सरसों की बिजाई का कार्य तेज कर दिया है। इस बार जिले में 75 हजार हेक्टेयर भूमि पर सरसों की बिजाई किए जाने का अनुमान है। 20 अक्टूबर तक आधे से अधिक बिजाई होने की संभावना है। सरसों बिजाई का कार्य पूरा होने के बाद किसान गेहूं की बिजाई शुरू कर देंगे। गेहूं की बिजाई का समय नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा, जो पूरे माह तक चलेगा। इस समय अनुकूल मौसम होने के कारण बिजली की खपत में भी कमी आई हुई है, जिससे कृषि क्षेत्र को पर्याप्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है।

पेड़ की टहनी से चोटिल व्यक्ति की पीजीआई में मौत

कोसली। अहमदपुर पड़तल गांव में पेड़ की टहनी गिरने से चोटिल हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक वेदप्रकाश के भतीजे संजय कुमार ने कोसली पुलिस को बताया कि उनके चाचा वेदप्रकाश एक अक्टूबर को बकरी चराने के लिए जंगल में गए थे। वहां पेड़ की डाली काटते हुए टहनी उनके ऊपर गिर गई, जिससे उन्हें काफी चोट आई। परिजन उन्हें रेवाड़ी सिविल अस्पताल ले गए। जहां से उन्हें रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया गया। वे दस दिन से पीजीआई में उपचाराधीन थे। शनिवार को उनके चाचा की मृत्यु हो गई। परिजनों ने उनकी मौत को लेकर किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं जताया। पुलिस ने सामान्य कार्रवाई करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

परिजनों ने उनकी मौत को लेकर किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं जताया

बाल महोत्सव का रंगारंग आगाज होगा कल से

■ पहले दिन होंगे पोस्टर मेकिंग, ग्रुप डांस व दीया डेकोरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से बाल भवन में 13 अक्टूबर से बावल महोत्सव का आगाज होने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी अभिषेक मीणा व हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद सचिव डा. सुषमा गुप्ता करेंगी। जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने बताया कि बाल महोत्सव में 30 अक्टूबर तक चार वर्गों में 41 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रथम वर्ग में पांचवीं कक्षा तक, द्वितीय वर्ग में कक्षा छठी से आठवीं तक, तृतीय वर्ग में 9वीं से 10वीं कक्षा तथा चतुर्थ वर्ग में 11वीं से 12वीं कक्षा के बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

13 अक्टूबर को ये होंगी प्रतियोगिताएं

बाल भवन में 13 अक्टूबर को पहले व दूसरे ग्रुप की हिंदी व अंग्रेजी हैंड राइटिंग प्रतियोगिता, दूसरे, तीसरे व चतुर्थ ग्रुप की पोस्टर मेकिंग व स्केचिंग ऑन दा स्पाट प्रतियोगिता, दूसरे ग्रुप की दीया व कैंडल डेकोरेशन प्रतियोगिता, तीसरे व चौथे ग्रुप की थाली व कलश डेकोरेशन, दूसरे ग्रुप की प्रश्नोत्तरी व थर्ड ग्रुप की डिक्लेमेशन प्रतियोगिता होगी तथा शाम के समय थर्ड ग्रुप की ग्रुप डांस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

14 अक्टूबर को होने वाली प्रतियोगिताएं

14 अक्टबर को पहले ग्रुप का सोलो डांस व फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। इसके अलावा चौथे ग्रुप की डिक्लेमेशन प्रतियोगिता व तीसरे ग्रुप की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित होगी। 15 अक्टूबर को दूसरे ग्रुप का सोलो डांस आयोजित होगा। इसके अलावा चौथे ग्रुप की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व तीसरे ग्रुप के लड़के व लड़कियों के फन गेम्स आयोजित किए जाएंगे।

स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रुपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

उपयोग

1. डिजिटल भुगतानः ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेशः कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेनः पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

जोखिम

1. अस्थिरताः कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिमः हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितताः विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटालेः फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिमः तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

तोहफा | बिजनेस डेस्क

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

■ जरूरतों के लिए- 30%■ इच्छाओं के लिए- 30%■ वेल्थ बनाने के लिए- 40%

जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

"'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।

हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।' अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो 'कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

ये हैं निवेश के विकल्प

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

खबर संक्षेप

वोट चोर गद्दी छोड़ प्रदर्शन नांगल चौधरी में आज

महेंद्रगढ़। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के राष्ट्रव्यापी अभियान वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान एवं प्रदर्शन 12 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे नांगल चौधरी विधानसभा के गुर्जर धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से नांगल चौधरी की मौजूदा विधायक मंजू चौधरी शामिल होंगी। इसके अलावा कांग्रेस के सभी स्थानीय नेता और सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। यह बात जिला महेन्द्रगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने बताया कि पूरे देश में चुनाव आयोग को जागृत करने के लिए उनकी आत्मा जगाने के लिए राहुल गांधी ने यह राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू कर रखा है।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में पीटीएम आयोजित

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में अभिभावक शिक्ष बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1500 अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने अभिभावकों से मिलकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार व समग्र विकास पर सार्थक चर्चा की। बैठक का उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाना था, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। बैठक का सफल आयोजन प्राचार्य नरेश कुमार, निदेशिका सुरेश यादव व चेयरमैन राव बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

ग्रामीणों ने भबुल का किया स्वागत

कनीना। गांव खेड़ी तलवाना में सॉन्ग सम्राट चंद्रलाल बादी के शिष्य भबुल का ग्रामीणों ने पगड़ी पहनकर जोरदार स्वागत किया। वे लंबे समय से मुम्बई में सपरिवार रह रहे हैं। सॉन्ग विद्या में अपने जमाने के प्रसिद्ध कलाकार रहे भबुल पिछले 50 वर्ष से नवीमुंबई में रहकर संगीत सेवा दे रहे थे। चंद्रलाल बादी के सांग में उन्होंने महत्वपूर्ण रोल अदा किए थे। उन्होंने 1960 से 1975 तक चंद्र लाल सांगी की पार्टी में लगभग 15 साल काम किया। मुंबई पलायन करने के लगभग 50 वर्ष के बाद अपने गुरु भाई वेदप्रकाश भारती से मुलाकात कर पुरानी यादें ताजा की।

युवाओं में शिक्षा और संस्कारों की प्रतिस्पर्धा विकसित करेगी कमेटी

भेडंटी के ग्रामीणों में सामाजिक कुरीतियों को मिटाने पर बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

गुर्जर समाज की महापंचायत के आह्वान पर भेडंटी में गांव की 36 बिरादरी की पंचायत आयोजित हुई। जिसमें सामाजिक कुरीतियों को मिटाने व युवाओं में शिक्षा तथा संस्कार विकसित करने के लिए कमेटी गठित की गई। नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए मोहल्ले वाइज सेमिनार लगाए जाएंगे। जिसमें नशे से उत्पन्न बीमारियों से अवगत कराया जाएगा। अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंदर चौधरी ने बताया कि समाज में मृत्युभोज, दशोटन व अन्य खुशी समारोह में शराब सेवन तथा अन्य अनावश्यक खर्चों की परंपरा बनी हुई है। जिससे संबंधित परिवार पर आर्थिक कर्जा बढ़ता है। कड़ी मेहनत करने के बावजूद यह कर्जा नहीं उतर पाता।

खास बातें

- मृत्युभोज दशोटन व सामाजिक समारोहों में शराब वितरण पर लगाई रोक
- गांव में हर सप्ताह सेमिनार लगाकर भारतीय संस्कृति का करेंगे प्रचार

सामाजिक कुरीतियों को मिटाने व युवाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य

नवजात बच्चे के जन्म पर दशोटन भी अनावश्यक खर्चा

उन्होंने कहा कि कुछ लोग सामाजिक रूतबा बढ़ाने के मकसद से मृत्यु भोज का आयोजन करते हैं। जबकि भारतीय संस्कृति में परिजन की मृत्यु होना दुखदः घटना होती है। इस अवसर पर लोगों को भोज कराना किसी भी सूरत में उचित नहीं होता। नवजात बच्चे के जन्म पर दशोटन भी अनावश्यक खर्चा होता है। जिसका खामियाजा पूरे परिवार को कई साल तक भुगतना पड़ता है। कुआं पूजन समारोहों में भी दैविक परंपराओं की पालना नहीं होती तथा शराब परोसने और पीने की होड़ बढ़ने लगी है। जिससे सामजिक एकता प्रभावित होने के साथ युवाओं में अनुशासन हीनता बढ़ गई, क्योंकि अनावश्यक खर्चों की अधिकता होने से अधिकांश लोग बच्चों की फीस भी समय पर अदायगी नहीं कर पाते। बाजार की देनदारी होने के कारण मानसिक तनाव व सामाजिक तोहीन का सामना करना पड़ता है। समाधान के लिए सामाजिक कुरीतियों को मिटाने व युवाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य है। इसके बाद पंचायत में शामिल ग्रामीणों ने विद्यासागर जांगड़ा से संपर्क किया। जिसके घर में शिशु के जन्मोत्सव पर छठी रात का कार्यक्रम निर्धारित था। ग्रामीणों के आग्रह पर उन्होंने छठी रात का प्रोग्राम निरस्त कर दिया तथा पंचायत को दशोटन नहीं करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर सरपंच इंद्राज गांधी, सतीश बॉस, पूर्व सरपंच हरिराम, जगमाल रिटायर्ड थानेदार, बुधराम जिंदड़ आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। सामाजिक कुरीतियां मिटाने के लिए विचार विमर्श करते ग्रामीण।

युवाओं की शिक्षा व संस्कारों पर नजर रखेगी कमेटी

समाजसेवी सुंदर चौधरी ने बताया कि समृद्ध समाज व विकसित राष्ट्र का आधार युवा होते हैं। जिनकी शिक्षा व संस्कारों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि आयु के प्रभाव से अधिकांश युवा गलत संगत के फंसने के अलावा नशा करने लगते हैं। बचाव के लिए प्रबुद्धजनों की एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया है, जोकि प्रत्येक सप्ताह युवा सम्मेलन आयोजित करके भारतीय संस्कृति की उपयोगिता से अवगत कराएगी।

महर्षि वाल्मीकि सभा में विभिन्न संगठनों की हुई बैठक

आईपीएस वाई पूरन कुमार की मौत पर संगठनों ने जताया रोष

पुलिस व प्रशासन के दोषी उच्चाधिकारियों को निलंबित कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आईपीएस वाई पूरन कुमार की संदिग्धावस्था अवस्था में हुई आत्महत्या के मामले में विभिन्न संगठनों की रोष बैठक महर्षि वाल्मीकि सभा में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में हुई। जिसमें इस दर्दनाक व संगीन घटना पर भारी रोष प्रकट करते हुए जमकर नारेबाजी की गई और दो मिनट का मौन भी रखा गया। तत्पश्चात विभिन्न संगठनों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त पत्र राष्ट्रपति, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, प्रधानमंत्री व हरियाणा के मुख्यमंत्री को भेज कर मांग की कि इस संगीत मामले में हाईकोर्ट के सिटिंग जज की देखरेख में निष्पक्ष जांच करवाकर हरियाणा पुलिस व प्रशासन के दोषी उच्चाधिकारियों को निलंबित कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए, ताकि आरक्षित वर्ग के अधिकारियों व कर्मियों को सरकार द्वारा भय मुक्त माहौल मुहैया करवाया जा सके।

नारनौल। बैठक करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

चण्डीगढ़ पुलिस को दी शिकायत

बैठक का संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि मृतक अधिकारी की आईएएस पत्नी ने इस मामले को लेकर चण्डीगढ़ पुलिस को अपनी शिकायत दी। जिसमें उन्होंने हरियाणा के वर्तमान डीजीपी शत्रुजीत कपूर व रोहतक के एसपी नरेन्द्र बिजारणिया सहित कई अन्य आईएएस व आईपीएस अधिकारियों को अपने पति की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराया है तथा एक सुसाईड नोट भी मीडिया में चल रहा है। जिसमें वाई पूर्ण कुमार ने उल्लेख किया है कि उन्हें जाति के आधार पर प्रताड़ित करने, अपने रैंक से नीचे पदों पर लगाने, एरियर रोकने, लो स्टैंडर्ड व्हीकल देने और डीजीपी ऑफिस में बैठे अन्य अधिकारियों द्वारा साजिश के तहत झूठी शिकायत करवाकर फंसाना और मीडिया में बदनाम करने जैसे कई गम्भीर आरोप लगाए हुए हैं। समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष पूर्व तहसीलदार लालाराम नाहर, परिवर्तनकारी साहित्य मंच के प्रधान पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह, महर्षि वाल्मीकि सभा के प्रधान जोगेंद्र जैदिया, धानक समाज से पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, कोली सभा के तोताराम, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के जिलाध्यक्ष अनिल फाण्डन, डॉ. अंबेडकर जन जागृति मंच के जसवंत भाटी, श्रेष्ठ फाउंडेशन हरियाणा के सुशील शीलू, भारतीय बौद्ध महासभा के सुरेंद्र अंबेडकर, खटीक सभा के पतराम खिंची, अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी संघ के दयाराम, एडवोकेट विनोद कुमार व विभिन्न संगठनों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि यह दुख का विषय है कि हरियाणा में आरक्षित वर्ग से आने वाले किसी भी सांसद व विधायक ने इस संगीन मामले में न्याय दिलाने के लिए आवाज नहीं उठाई।

दोषी अधिकारियों की गिरफ्तारी व निलंबन की मांग

महेंद्रगढ़। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठन के सदस्यों ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी व निलंबन की मांग की। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि सात अक्टूबर को वाई पूरन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतक अधिकारी की पत्नी ने चंडीगढ़ पुलिस को दी अपनी शिकायत में डीजीपी शत्रुजीत कपूर व रोहतक के एसपी सहित कई अन्य अधिकारियों को अपने पति की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराया

जेएनवी के छात्रों ने किया कनीना थाने का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

जवाहर नवोदय विद्यालय करीरा के विद्यार्थियों ने शनिवार को बैगलेस-डे के अंतर्गत सिटी व शहर थाना का शैक्षणिक भ्रमण कर पुलिस की कार्यप्रणाली को समझा। वहीं बाल विवाह, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा तथा यातायात नियमों की जानकारी हासिल की। सिटी थाना इंचार्ज निरीक्षक पवन हुड्डा व सदर थाना इंचार्ज सजन सिंह वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा-निर्देशन में स्कूली विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

डीएसपी दिनेश कुमार ने कहा कि पुलिस कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाती है।

सिटी थाना पहुंचे करीब 70 छात्र-छात्राओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली को देखते हुए एफआईआर दर्ज करने के प्रोसेस से लेकर सीसीटीएनएस व केस के चालान तक की प्रक्रिया समझी। एएसआई स्नेहलता, एएसआई राकेश कुमार, सिपाही अमित कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर क्राईम व यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी। एएसआई स्नेहलता ने छात्राओं से कहा कि महिला अपराध को लेकर 112 नंबर डायल कर तुरंत पुलिस सहायता ली जा सकती है।

कनीना। विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी देते पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके जेएनवी के शिक्षक देवीलाल, उषारानी, सिपाही ज्योति, ललिता, अमित कुमार, साहिल, भावना आदि उपस्थित थे।

दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीयों से करें जगमग

मंडी अटेली। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा की राष्ट्रीय सचिव एवं जिला प्रधान विजय सिंह ने बताया कि दीपों का त्योहार दीपावली आने वाला है। इस मौके पर हमें अपने देश की मिट्टी से बने हुए दीपक के माध्यम से अपने गली मोहल्ले में आस पड़ोस को प्रकाशमय करना है। हमें अबकी बार बिजली वाली बनावटी रोशनी, फैंसी लाइट वगैरा का प्रयोग नहीं करना है। इससे न केवल आर्थिक रूप से खर्च बढ़ता है तथा वायु प्रदूषण होता है। इसके विपरीत मिट्टी से बने हुए दीपक को हम दीपावली के मौके पर उपयोग करने के बाद दोबारा भी अपने घर में उपयोग कर सकते हैं।

नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा सुनाते आचार्य हेमराज भारद्वाज। फोटो: हरिभूमि

श्रद्धा व विश्वास सफलता की जननी: आचार्य

नारनौल। धनौन्दा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य हेमराज भारद्वाज ने देवी भगवती के क्षमा, दया, दान, करूणा, श्रद्धा, विश्वास आदि गुणों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और विश्वास सफलता की जननी है। देवी मां के इन गुणों को धारण करने से जन्म जन्मांतर का बेड़ा पार हो जाता है। कथा में सती विवाह तथा राम सीता स्वयंवर की मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सरोबार कर दिया। इस दौरान प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने कथा में पहुंचकर आचार्य हेमराज भारद्वाज को साफा पहनाकर व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। अतरलाल ने कहा कि कथाओं से भक्तों व श्रद्धालुओं को प्रेरणा मिलती है। इन कथाओं से आदमी बुरी आदतों को छोड़कर सदमार्ग की तरफ बढ़ता है। उन्होंने कथा करवाने के लिए बालाजी मंदिर कमेटी के श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली में मिलन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली में शनिवार को अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अभिभावकों के साथ उनके बच्चों का अर्धवार्षिक परिणाम सांझा किया गया। यह आयोजन विद्यालय की उस सोच का परिणाम था, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल और परिवार के समन्वय को अत्यंत आवश्यक मानती है। इस विशेष अवसर पर छात्रों के माता पिता और अभिभावक विद्यालय पहुंचे और उन्होंने अपने बच्चों की शैक्षणिक व मानसिक प्रगति पर शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की।

यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अभिभावकों को उनके बच्चों के परीक्षा परिणाम के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में अभिभावकों का आभार प्रकट किया और कहा बच्चों के जीवन में माता पिता और शिक्षक दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। जब दोनों मिलकर कार्य करते हैं, तभी बच्चों का विकास संतुलित और सशक्त होता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के आयोजन लगातार किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक छात्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके। यह अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह विद्यालय और अभिभावकों के बीच एक मजबूत तथा सकारात्मक संवाद स्थापित करने की दिशा में एक सफल कदम रहा।

सतनाली मंडी। पीटीएम में पहुंचे अभिभावकों को स्वागत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कॉलेज में मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्टाफ को बेटियों के अधिकार उनके सशक्तिकरण और समाज में उनके महत्व के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर शिक्षा, समान अवसर और लैंगिक समानता के महत्व को रेखांकित किया गया और बेटियों के उज्जवल भविष्य तथा सुरक्षित समाज की दिशा में एक प्रेरक संदेश दिया गया।

प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के महत्व और उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परिवार का सम्मान और माता-पिता का अभिमान बेटियों की शिक्षा और विकास में निहित है। उन्होंने कहा कि बेटियां देश की सशक्त पहचान और आधार हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि बेटियों की शिक्षा, पोषण और लैंगिक समानता के लिए संकल्प लें और सुरक्षित समाज तथा बेहतर भविष्य के निर्माण में योगदान दें। महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पविता यादव ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के ऐतिहासिक और वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय दिवस है और इसे प्रतिवर्ष 11 अक्टूबर को मनाया जाता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महाविद्यालय उप-प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव, प्रोफेसर डॉ. कैप्टन शमशेर सिंह, प्रोफेसर जितेंद्र कुमार वशिष्ठ, डॉ. बलजीत सिंह, डॉ. सोमवीर, डॉ. रेनू यादव, डॉ. मुकेश यादव, डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रोफेसर हीरा सिंह, डॉ. मुकेश कुमारी सहित महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना का सीधा प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया गया। आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र रिवासा में भी किसानों को दिखाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों प्रगतिशील किसान और पशुपालक ने भाग लिया। किसानों ने प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत योजना और कृषि-आत्मनिर्भरता से संबंधित विचारों को गहनता से सुना और सराहा। कार्यक्रम का संचालन हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र के डेयरी विस्तार विशेषज्ञ डॉ. योगेन्द्र यादव द्वारा किया गया। यह आयोजन लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार कुलपति, प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा के निर्देशानुसार एवं निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. विरेंद्र पंवार के देखरेख में संपन्न हुआ। लाइव प्रसारण के उपरांत डॉ. योगेन्द्र यादव ने किसानों के साथ खुला संवाद सत्र आयोजित किया, जिसमें किसानों ने पशुपालन एवं कृषि में नई सरकारी योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी अपनी शंकाएं व सुझाव साझा किए एवं किसानों को इन योजनाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के उपाय बताए। प्रधानमंत्री की ये पहल किसानों की आय में वृद्धि, दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता और कृषि क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगी।

महेंद्रगढ़। किसानों को संबोधित करते डॉ. योगेंद्र यादव। फोटो: हरिभूमि

सरकार की नीतियों और योजनाओं की सराहना

किसानों ने भी सरकार की नीतियों और योजनाओं की सराहना की तथा इस तरह के कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। अंत में डॉ. योगेन्द्र यादव ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र रिवासा किसानों के कल्याण और तकनीकी सशक्तिकरण के लिए सदैव सक्रिय रहेगा और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करता रहेगा।

संगठन चलाएगा सदस्यता बढ़ाने के लिए अभियान, बैठक में लिया निर्णय

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन ने की नई शिक्षा नीति रद्द करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला की इकाई बैठक यादव धर्मशाला में जिला प्रधान घनश्याम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश सचिव धर्मपाल शर्मा व पूर्व राज्य उपप्रधान जगलाल निनानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन जिला सचिव रोशनलाल ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रधान घनश्याम शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक उपकरणों का निजीकरण कॉरपोरेटाइजेशन बंद हो, सरकारी विभागों को सिकोड़ना बंद किया जाए, आठवां केंद्रीय वेतन आयोग गठित किया जाए, हर पांच वर्ष में वेतन संशोधित अनिवार्य किया जाए, लंबित महंगाई भत्ता दिया जाए व जब्त की गई डीए की सभी बकाया किस्ते जारी की जाए, नई शिक्षा नीति को रद्द किया जाए, संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता की रक्षा की जाए, सांप्रदायिकता के हर रूप से संघर्ष किया जाए।

नारनौल। बैठक करते रिटायर्ड कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

केंद्र व राज्य वित्तीय संबंधों को पुनः परिभाषित किया जाए

उन्होंने मांग की कि केंद्र व राज्य वित्तीय संबंधों को पुनः परिभाषित किया जाए, सहकारी संघवाद की रक्षा की जाए, रिटायर्ड कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाए, कोरोना कल से पहले की तरह रेलवे हवाई जहाज में किराये में 50 प्रतिशत छूट दी जाए। बैठक को ताराचंद सैनी व बनीसिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया सदस्यता अभियान चलाकर संगठन की सदस्य संख्या बढ़ाई जाए और नियम अनुसार जिला व स्टेट का शेयर समय समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि संघर्ष फंड सभी ब्लॉक नियम अनुसार जिला व स्टेट का भुगतान करें। सभी ब्लॉक व जिला अपने अपने स्तर पर बैंक में खाता खुलवाना सुनिश्चित करें, ताकि आय व्यय का हिसाब किताब सुरक्षित रह सकें। सभी ब्लॉक अपने सदस्यता की सूची जिला कमेटी में प्रदान करें, सभी ब्लॉक अपना ऑडिट जिला ऑडिटर सतपाल शर्मा से करवाकर जिला ऑडिटर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सैनी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में होगी बैठक

रिटायर्ड कर्मचारी जगनलाल निनानिया ने बताया कि स्टेट कार्यकारिणी की बैठक सैनी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में होने निश्चित की गई है। जिसमें जिला प्रधान सचिव व कोषाध्यक्ष भाग लेंगे। वहीं 22 व 23 फरवरी को अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फेडरेशन का सम्मेलन सैनी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में होगा। उन्होंने बताया कि जिला संगठन का चुनाव लगभग एक साल पहले हुआ था। इसलिए जिला कोषाध्यक्ष आय व्यय का बोरा जिले की बैठक में प्रस्तुत करें।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला कल

महेंद्रगढ़। आईटीआई के प्रधानाचार्य महाबीर सिंह ने बताया कि निदेशालय कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप कार्यक्रम के तहत 13 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे जिले की सभी आईटीआई के पिछले पांच साल के पास शुदा छात्र–छात्राओं को अप्रेंटिस एवं ट्रेनीज सिलेक्शन के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में मानेसर, गुरुग्राम, नोएडा, बहादुरगढ़, धारुहेड़ा, बावल आदि एनसीआर क्षेत्र की ऑटोमोबाइल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की विभिन्न कंपनियां जैसे न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर्स, सोना कोम्स्टार, निप्पोन इलेक्ट्रिकल्स, मिंडा ग्रुप, श्रीराम पिस्टन आदि विभिन्न प्रमुख कम्पनियां भाग लेंगी।

सार्वजनिक सूचना

मैं, रामकिशन सुपुत्र मनोहर लाल गुप्ता निवासी मकान नम्बर 7455, मोहल्ला बैद्यवाडा, वार्ड नम्बर 18, तहसील व जिला रेवाडी हरियाणा सूचित करता हूँ कि मेरी माता जी श्रीमती अंगुरी देवी का स्वर्गवास दिनांक 24.04.2023 को हो चूका हैं। उनके स्वर्गवास के बाद उनकी चल-अचल सम्पति व जायदाद के निम्नलिखित वारसान है :- 1. श्री रामकिशन (पुत्र), 2 श्री विष्णु गुप्ता (पुत्र), 3. श्री शिव नारायण गुप्ता (पुत्र), 4. श्री इन्दरजीत (पुत्र), 5. श्रीमती रुकमणी देवी गुप्ता (पुत्री), 6. श्री गौरव गुप्ता (नाती), 7. श्रीमती सुरभि गुप्ता (नातिन), 8. श्रीमती नीतू गुप्ता (नातिन), 9. श्रीमती संगीता गुप्ता (नातिन), व 10. श्री वासु गुप्ता (नाती) है। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त श्रीमती अंगुरी देवी की जायदाद के अन्य कोई वारिसान नहीं हैं। उक्त वारिसानों के बारे में किसी को कोई ऐतराज हैं तो सम्पर्क करें।

हस्ता/- तहसीलदार, रेवाड़ी

खबर संक्षेप

चोरी के आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

बावल। गत वर्ष थाना क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में दो लोगों को पुलिस ने कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने चोरी की वारदात के बाद वर्ष 12 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने मूल रूप से यूपी के रहने वाले हाल निवासी शेखपुर देवेंद्र और जगदीश को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। आरोपियों के खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज हैं। इससे पूर्व भी अन्य मामले में उन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लिया जा चुका है।

स्वतंत्रता सेनानी डूंगरमल धानक की जयंती आज

रेवाड़ी। शहर के मोहल्ला कुतुबपुर में रविवार 12 अक्टूबर को स्वतंत्रता सेनानी चौधरी डूंगरमल धानक की जयंती मनाई जाएगी। आयोजक टीम के सदस्य टीनू प्रधान ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में मेधावी प्रतिभाओं और विभिन्न शख्सियतों को सम्मानित भी किया जाएगा।

जांगिड़ ब्राह्मण प्रदेश सभा का सम्मान समारोह आज

रेवाड़ी। रविवार को कस्बा धारूहेड़ा के नंदरमपुर बास रोड स्थित करुणेश वाटिका में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण प्रदेश सभा की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। सभा के प्रवक्ता धीरज जांगिड़ ने बताया कार्यक्रम की सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं।

कांग्रेस के एससी सैल ने किया विरोध प्रदर्शन

रेवाड़ी। कांग्रेस के एससी सैल ने शनिवार को सीजेआई बी आर गवई पर जूता फेंकने की घटना और आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में शनिवार को राजीव चौक पर विरोध प्रदर्शन किया।

वायु सैनिकों का मिलन कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। शहर के कोनसीवास रोड स्थित गणपति गार्डन में 12 अक्टूबर को वायु सेना दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व वायु सैनिकों के मिलन कार्यक्रम का आयोजन होगा।

बावल के साथ मल्टी लॉजिस्टिक हब का भी विस्तार हो रहा

नमो भारत आरआरटीएस को बावल तक मिली मंजूरी, पहले चरण में धारूहेड़ा तक थी योजना

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर जताई थी आपत्ति, हरियाणा सरकार ने 26 सितंबर को बावल तक विस्तार की सहमति पर एनसीआरटीसी को लिखा था पत्र

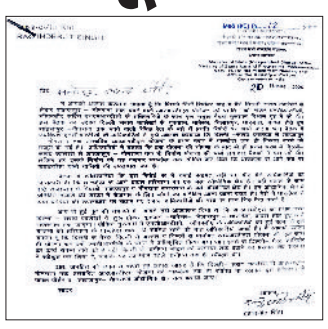

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नमो भारत आरआरटीएस को बावल तक मंजूरी मिलने से दैनिक यात्रियों को राहत मिलने जा रही है। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से आरआरटीएस को धारूहेड़ा से आगे बढ़ाकर बावल तक करने पर हरियाणा सरकार ने केंद्र सरकार की एजेंसी को सहमति दे दी है। प्रथम चरण में केवल धारूहेडा तक ही आरआरटीएस को बनाने की योजना थी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गत 18 सितंबर व उससे पूर्व हुई बैठकों में आरआरटीएस को धारूहेड़ा तक सीमित करने पर अधिकारियों के समक्ष आपत्ति जताई थी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को भी आरआरटीएस को धारूहेडा से आगे बावल व शाहजहांपुर राजस्थान तक विस्तार करने के लिए पत्र लिखकर अधिकारियों के रवैये के प्रति आपत्ति जताई थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर इसकी जल्द से जल्द कैबिनेट मंजूरी लेने पर जोर दिया था।

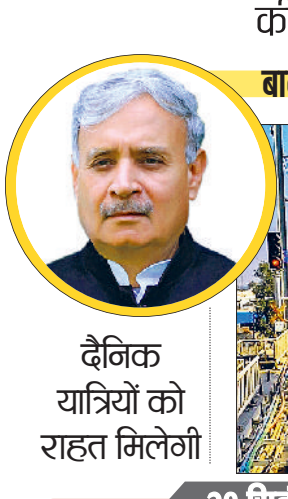

दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी

बावल से आगे किसी भी विस्तार का खर्च संबंधित राज्य को वहन करना होगा

20 सितंबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को लिखा था पत्र

गत सितंबर में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत ने एचएमआरटीसी, एनसीईआरटीसी व जीएमडीए के अधिकारियों की संयुक्त बैठक गुरुग्राम में बुलाई थी। इस बैठक में एनसीईआरटीसी के अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि अभी तक हरियाणा सरकार ने धारूहेड़ा तक ही नमो भारत आरटीएस के विस्तार को मंजूरी दी है। जब राव ने इसका कारण पूछा तो अधिकारियों ने बताया कि धारूहेड़ा से आगे नमो भारत के लिए राइडरशिप यानी यात्रियों की संख्या पर अभी अनिश्चित है। राव इन्द्रजीत ने एनसीईआरटीसी व एचएमआरटीसी के अधिकारियों की बात पर आपत्ति जताई थी और बताया कि धारूहेड़ा से आगे बावल हरियाणा का बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। बावल के साथ मल्टी लॉजिस्टिक हब का भी विस्तार हो रहा है। इसके बाद राव इन्द्रजीत सिंह ने 20 सितंबर को केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि नमो भारत आरआरटीएस का बावल व बावल से सटे राजस्थान के शाहजहांपुर-नीमराणा व बहरोड़ औद्योगिक क्षेत्र तक विस्तार किया जाना बहुत ही आवश्यक है। राव की आपत्ति के बाद 26 सितंबर को हरियाणा सरकार ने इसका धारूहेड़ा से आगे बावल तक विस्तार करने पर अपनी सहमति केंद्र सरकार की एजेंसी को प्रदान कर दी है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रथम चरण में इसका विस्तार राजस्थान के शाहजहांपुर तक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में नमो भारत ले जाने के लिए वहां की प्रदेश सरकार को केंद्र सरकार से संपर्क करने और उसका खर्च वहन करने पर भी अपनी सहमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बावल औद्योगिक क्षेत्र तक नमो भारत के विस्तार के बाद इसका निर्माण शुरू करने के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी दिलाने के प्रयास के लिए पैरवी की जाएगी।

एनसीईआरटीसी के एमडी को पत्र लिखकर दी मंजूरी

केंद्रीय राज्यमंत्री इन्द्रजीत की आपत्ति के बाद 26 सितंबर को हरियाणा सरकार ने नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के एमडी को पत्र लिखकर आरआरटीएस नमो भारत कॉरिडोर को धारूहेड़ा से बावल तक बढ़ाने पर सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कापोरेशन लिमिटेड के एमडी चंद्रशेखर खरे ने एनसीईआरटीसी के एमडी को लिखे पत्र में कहा कि सरकार ने विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया है कि नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर को अब धारूहेड़ा की बजाय बावल तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मई 2025 को मुख्यमंत्री अध्यक्षता में हुई बैठक के सभी निर्णय यथावत रहेंगे। खरे ने राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट किया है कि बावल से आगे किसी भी विस्तार का खर्च संबंधित राज्य को वहन करना होगा।

पराली न जलाकर पर्यावरण के लिए फर्ज निभाएं किसान: डीसी

पांच से लेकर 30 हजार रुपये तक जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट व राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण यानि एनजीटी) के निर्देशानुसार सरकार पराली जलाने वाले किसानों पर सख्त है। जिले में पराली और फसल अवशेष जलाने से संबंधित घटना पर अंकुश लगाने के लिए शून्य सहिष्णुता नीति अपनाएं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने पर जिला प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उल्लंघन करने वालों पर आईपीसी की धारा 188 के तहत छह माह की जेल व 30000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। डीसी अभिषेक मीणा ने जिले के किसानों से आह्वान किया कि पर्यावरण बचाने के लिए प्रत्येक किसान की जिम्मेदारी है। कोई भी किसान खेतों में पराली न जलाए, इसके लिए दूसरे किसानों को भी जागरूक करें। पर्यावरण बचाने के लिए सभी अपना फर्ज निभाएं और खेतों में पराली न जलाएं।

ये है मामला

डीसी ने कहा कि वायु प्रदूषण से सांस, फेफड़ों से सम्बंधित बीमारियां तो होती ही है, सामान्य स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जीवन प्रत्याशा में कमी व असमय मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि खेतों में आग लगाने से हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है। इससे सिरदर्द एवं सांस लेने में तकलीफ होती है, अस्थमा और कैंसर जैसी बीमारियां भी हो रही हैं। डीसी ने बताया कि पराली को जलाने से वायु प्रदूषण पर प्रभाव पड़ता है, मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है, मिट्टी में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इसके उपाय के लिए राष्ट्रीय कृषि नीति का पालन करें, पराली को जलाने के बजाए इससे जैविक खाद बनाएं, इसका उपयोग बायोमास एनर्जी तथा छप्पर बनाने व मशरूम की खेती करने में करें।

राजकीय पाठशाला में बच्चों को वितरित किए स्वेटर

कोसली। गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति की ओर से शनिवर को राजकीय आदर्श संस्कृति प्राथमिक पाठशाला भाकली में कक्षा एक से पांचवी तक के सभी 155 विद्यार्थियों को वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम के तहत निःशुल्क स्वेटर वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अभय सिंह ने की। हैड मास्टर विशाल कुमार ने बच्चों को स्वेटर वितरित करने के लिए मां मातृभूमि सेवा समिति का आभार व्यक्त किया।

गवर्नमेंट कॉलेज बावल में प्रतिभा खोज कार्यक्रम सम्पन्न

छात्राओं ने अनेक विधाओं में दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

राजकीय कन्या महाविद्यालय बावल में दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री दुर्गादत्त व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच प्रवीण कुमार ने शिरकत की। प्राचार्य ममता गुप्ता ने बताया की इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मे 6, 7 और 8 नवंबर को आयोजित होने वाले युवा महोत्सव के लिए दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे कॉलेज की छात्राओं ने करीब 42 विधाओं में प्रस्तुति दी। आईजीयू युवा कल्याण समिति के विशेष सदस्य और प्रोफेसर राजेश बंसल ने बताया कि कॉलजे की करीब 100 लड़कियों ने प्रतिभा खोज कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

रेवाड़ी के लगभग 44 कॉलेज हिस्सा लेंगे

छात्राओं के चयन के लिए कोरियोग्राफर सहित तीन लोगों की टीम मौजूद रही। छात्राओं ने संगीत, कला, थिएटर, साहित्य और नृत्य की प्रस्तुतियां दी। बंसल ने बताया कि युवा महोत्सव में रेवाड़ी जोन के लगभग 44 कॉलेज हिस्सा लेंगे। मीरपुर यूनिवर्सिटी को रेवाड़ी और महेद्रगढ़ दो जोन मे बांटा गया है। दुर्गादत्त ने कहा कि छात्राओं के पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेना चाहिए, ताकि उनकी प्रतिभा में निखार आ सकें।

संत कबीर समाज उत्थान सेवा समिति ने की चर्चा

रेवाड़ी। संत कबीर समाज उत्थान सेवा समिति की ओर से शनिवार को मुक्तिवाड़ा स्थित धानक धर्मशाला में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रधान वेदप्रकाश बनवाल ने की। मीटिंग में आईपीएस वाई पूरण कुमार की आत्महत्या व सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रधान ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण आईपीएस वाई पूरण कुमार ने अन्य जातियों के अधिकारियों से तंग आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। संगठन इस प्रकार के घटनाओं की कड़ी निंदा करता है तथा हरियाणा सरकार व भारत सरकार से इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करता है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना दोबारा घटित न हो सकें। इस मौके पर धर्मपाल सुठानी, सुभाष सोलंकी, विजय इंदौरा, प्रकाश खनगवाल, रवि प्रकाश इंदौरा, भूप सिंह खरेरा, महेंद्र सिंह, संदीप सोलंकी, विजय डाबला व राकेश कुमार सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

डॉन बॉस्को के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कैथल में आयोजित 58वीं अंडर-17 बॉयज तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में डॉन बॉस्को के कोच अनिल यादव के नेतृत्व में युवराज, दिव्य, राघव, भव्य व देव कैंब्रिज स्कूल, ध्रुव व मयंक आरपीएस धारूहेड़ा, जतिन डीपीएस, ओनिक जैन बॉयज स्कूल, सागर एमएलपी स्कूल, ध्रुव नेहरा आरपीएस रेवाड़ी, रुद्रा राज स्कूल, नकुल यूरो धारूहेड़ा, मिथुल यूरो रेवाड़ी, रितिक बीएल गवर्नमेंट स्कूल खोल तथा केशव कुमार गवर्नमेंट स्कूल नंदरामपुर बांस ने भाग लिया, जिनमें से पांच छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है।

9वीं व 11वीं एडमिशन के लिए 21 तक आवेदन

रेवाड़ी। जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना में कक्षा 9 और 11 की रिक्त स्थानों पर लेटरल एंट्री 2026 के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 10 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 अक्टूबर किया गया है। प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने बताया कि आगामी शिक्षण सत्र 2026-27 में कक्षा 9 व कक्षा 11 प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं। कक्षा 8 में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं कक्षा 9 के लिए व कक्षा 10 में पढ़ने वाले छात्र कक्षा 11 के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संशोधन के लिए 22 से 25 अक्टूबर तक सुधार विंडो खुली रहेगी। इस दौरान पंजीकृत अभ्यर्थी अपने आवेदन में लिंग, श्रेणी, क्षेत्र, विकलांगता और परीक्षा का माध्यम जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों में सुधार कर सकेंगे।

नशे के दुष्प्रभावों व बचाव को लेकर किया जागरूक

रेवाड़ी। जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को गांव हांसावास, चौकी नंबर-एक व रतनथल में ग्रामीणों से सम्पर्क करके गांवों को नशा मुक्त करने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने को लेकर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर निरीक्षक रामपाल ने कहा कि पुलिस और आमजन अगर आपस में तालमेल के साथ कार्य करें तो नशे जैसी बुराई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा।

सीएसआर स्कीम के तहत

छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी यानि सीएसआर स्कीम के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली 48 छात्राओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह छात्रवृत्ति एचपीसीएल कंपनी के सीएसआर इनीशिएटिव पढ़ो के तहत प्रदान की गई थी। इस अवसर पर एचपीसीएल रेवाड़ी पाइपलाइन के उप महाप्रबंधक राजेश बरियार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे तथा एचपीसीएल के प्रबंधक निनाद देवडे व यादविका विशिश्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने एचपीसीएल टीम का इस योगदान के लिए धन्यवाद किया।

नागरिक अस्पताल की सफाई में जुटी स्वास्थ्य विभाग की टीम, 12 सप्ताह से चल रहा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जिला नागरिक अस्पताल में शनिवार को बारहवां सफाई अभियान चलाया गया। पीएमओ डा. सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व में डॉक्टर्स व स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पताल परिसर में सुबह दो घंटे साफ-सफाई की। अभियान में बाल रोग डा. सुभाष यादव आरएमओ, डा. इंद्रजीत यादव उप चिकित्सा अधीक्षक, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर अनीता सैनी, राजबाला यादव, नर्सिंग ऑफिसर संजना व भूपेंद्र, सुपरवाइजर मदन, अजय, सिक्योरिटी गार्ड रतन व सुरेंद्र, माली पवन कुमार, मान सिंह, अरुण कुमार, सेनिटेशन स्टाफ नरेश, नवीन, अजय, प्रकाश, लक्ष्मण, राजेश, देशराज, मंगल, शांति, अजय, वार्ड अटेंडेंट दुर्गा, संजीव, दिनेश खींची, इलेक्ट्रिशियन हेल्पर दीपक व विनय, लिफ्टमैन यशदेव तथा गैस मेनिफोल्ड स्टाफ से रोहताश ने सहयोग दिया। आईएमए के वरिष्ठ चिकित्सक डा. अजीत यादव सफाई अभियान में विशेष सहयोग के लिए उपस्थित थे।

अस्पताल को स्वच्छ रखना अभियान का उद्देश्य

अभियान के अंतर्गत अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार, ओल्ड ब्लॉक हॉस्पिटल, पार्किंग एरिया, पार्किंग शेड व गायनी वार्ड परिसर में सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य अस्पताल को एक स्वच्छ, सुरक्षित और रोगी-अनुकूल वातावरण प्रदान करना था, ताकि मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ व सकारात्मक माहौल में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शरद ऋतु के आगमन को लेकर आगामी अभियान प्रत्येक शनिवार को प्रातः 7:30 से 9:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

पहले पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ, अब पुलिस द्वारा करवाई जाएगी प्रतियोगिता

■ पहले राउंड की परीक्षा 15 को आयोजित करवाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पुलिस विभाग की ओर से एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्ग दर्शन में जिला पुलिस ने अभियान चलाकर विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। अब पुलिस विभाग की ओर से 15 अक्टूबर को जिले के शिक्षण संस्थानों में प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जा रहा है, जिनमें विद्यार्थियों से ट्रैफिक नियमों से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। विजेता प्रतिभागियों को विभाग की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

डीएसपी ट्रैफिकपवन कुमार ने बताया कि जिले सभी स्कूल, कॉलेज, आईटीआई इत्यादि में यातायात को लेकर स्कूल स्तरीय सडक सुरक्षा क्विज कम्पटीशन करवाया जाएगा। इस सम्बन्ध में पहले राउंड की परीक्षा 15 अक्टूबर को आयोजित करवाई जाएगी। जिसमें करीब 1 लाख 75 हजार विद्यार्थी भाग लेंगे। इसको लेकर विद्यार्थियों के 4 स्लैब बनाए गए हैं, जिसमें तीसरी, पांचवीं, छठी, 8वीं, व 9वीं 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का मकसद विद्यार्थियों को प्रारम्भ से ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा उनकी पालना करने के लिए प्रेरित करना है, क्योंकि बचपन से सीखा हुआ सबक जिन्दगी भर याद रहता है। इसी उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पुलिस विभाग द्वारा इस बारे में सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों से अनुरोध किया कि जिला रेवाड़ी के सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, मुख्य अध्यापकों को भी निर्देश दें कि वह सभी विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी करवाए और हिस्सा लेने के बारे में भी प्रोत्साहित करें।

बिना जांच व परख के किसी भी क्यू आर कोड को स्कैन न करें

साइबर क्राइम से सभी को सतर्क रहने की जरूरत

त्योहारी सीजन में साइबर ठगों से रहे सावधान लुभावने ऑफर से बना सकते शिकार: एसपी हेमेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस कप्तान हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि आज की डिजिटल दुनिया में साइबर क्रिमनल कम्प्यूटर तथा इंटरनेट के माध्यम से अलग-अलग तरीकें अपनाकर लोगों को लालच में फंसाकर उनके साथ ठगी को अंजाम दे रहे है। त्योहारी सीजन में भी साइबर ठग तरह-तरह के लुभावने ऑफर देकर आमजन को ठगी का शिकार बनाने की ताक में है, जिनसे नागरिकों को सतर्क व सावधान रहने की जरूरत है। इसलिए नागरिक बिना जांच व परख के किसी भी क्यू आर कोड को स्कैन न करे। साइबर ठगों की ओर से कई वेबसाइट पर लोगों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। जब नागरिक ओ-लेक्श वेबसाइट पर कोई भी पुरानी वस्तु, सामान खरीदते या बेचते है तो साइबर क्रिमिनल इसका फायदा उठाकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करते है। एसपी ने बताया कि जब ओ-लेक्श वेबसाइट पर कोई पुरानी वस्तु बेचनी होती है तो वेबसाइट अपलोड करके अपना मोबाइल नंबर डाल देते है तो साइबर क्रिमनल मोबाइल नंबर पर कॉल करके गूगल-पे, फोन-पे तथा पेटीएम पर एक रुपया भेजकर पैसों की रिक्वेस्ट बनाकर भेज देते है, फिर वे व्यक्ति को झांसे में लेकर आपका पिन डाल देते, जिससें व्यक्ति के साथ साइबर फ्रॉड हो जाता है।

जागरुकता से ही साइबर क्राइम से बचा सकता है

एसपी मीणा ने कहा कि ऐसे साइबर क्राइम से सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। अगर किसी ने भी कोई वस्तु बेचने के लिए विज्ञापन ओ-लेक्श वेबसाइट पर डाला हो तो उससे संबन्धित व्यक्ति खुद को आर्मी ऑफिसर व किसी फोर्स का नाम लेकर बात करते है, ऐसे लोगो से ज्यादा से सतर्क रहें और किसी भी प्रकार से पेमेंट करते समय ध्यानपूर्वक अपना पिन नंबर डालें, क्योंकि साइबर क्रिमिनल की ओर से पहले ही पेमेंट की रिक्वेस्ट डाली होती है, जिससे आपके खाते से पैसे कट जाते है।

साइबर क्राइम से बचने के उपाय

अपनी कोई भी पर्सनल इनफार्मेशन और अपनी बैंकिंग डिटेल्स किसी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर न करे। ओ-लेक्श वेबसाइट पर पहले पैसे न भेजे। अगर आपको कोई चीज ओलेक्श पर कोई वस्तु खरीदनी है तो उसकी बिल्कुल भी ऑनलाइन पेमेंट न करें, घर पर आने के बाद ही उसकी पेमेंट करें। ओ-लेक्श वेबसाइट पर कोई वस्तु बेचने पर आपके द्वारा दिए गए विज्ञापन के सम्बन्ध कोई आपको कॉल करता है तो वह आपको आपके सामान की पूरी कीमत आपको ट्रांसफर करने के लिए कहता है, जिससे आप जल्दबाजी में उसकी बातो में आकर पूरी पेमेंट लेने के चक्कर में पेमेंट रिक्वेस्ट को एक्सेप्ट कर लेते है और फिर अपना पिन डालते है। आपको पिन नहीं डालने है। क्यू आर कोड को स्कैन न करे, क्योंकि उन्होंने पहले ही पेमेंट रिक्वेस्ट डाली होती हैं और ऐसे में पैसे कट सकते है। एसपी ने कहा कि जागरुकता से ही साइबर क्राइम से बचा सकता है। कोई भी किसी भी प्रकार की जॉब, विदेश भेजन व शादी कराने सहित किसी प्रकार के बहकावें में न आएं और न ही कोई पेमेंट करें। अगर फिर भी किसी प्रकार से ऑनलाइन धोखाधडी हो जाती है तो तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल करें और साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा साइबर क्राइम थाना या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जाकर साइबर हेल्प डेस्क से मदद ले सकते है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अक्टूबर 2025
P-1

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

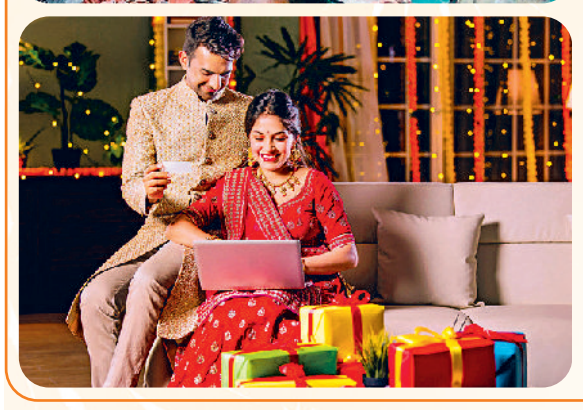

{ आवरण कथा }
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

{ अवेयरनेस }
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

{ गजल }
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

{ लघुकथाएं }

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

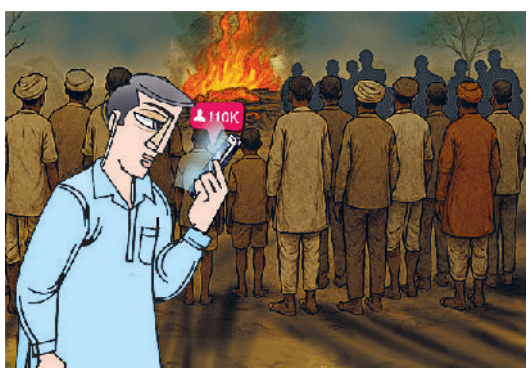

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

अमेजिंग स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

इन दिनों फेस्टिवल सीजन चल रहा है। आपके घर के आस-पास और बड़ी मार्केट्स में खूब रौनक और भीड़-भाड़ दिख रही होगी। बाजार ऐसा स्थान होता है, जहां से हम सभी अपनी जरूरत का हर सामान खरीद सकते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी बाजार हैं, जो अपनी खूबसूरती, भव्यता, अद्भुत सामानों की बिक्री और अनोखेपन के कारण बहुत मशहूर हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे बाजारों और उनकी विशेषताओं पर एक नजर।

ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे-प्रसिद्ध बाजार

डम्नोएन सडुआक फ्लोटिंग मार्केट

यह अनोखा बाजार थाईलैंड में बैंकॉक से लगभग 100 किमी. दक्षिण-पश्चिम में राजबुरी इलाके में लगता है। डम्नोएन मार्केट थाईलैंड के सबसे मशहूर और बड़े तैरते हुए बाजारों में से एक है। इस

बाजार का निर्माण 19वीं सदी के अंत में तत्कालीन राजा रामचतुर्थ के आदेश पर हुआ था। जिसका उद्देश्य माइकलोंग और थाची नामक नदियों को आपस में जोड़ना और उनके माध्यम से व्यापार को सुगम बनाना था। आज यह बाजार सदियों पुरानी थाई परंपरा को दर्शाता है। यहां महिला विक्रेता ज्यादा हैं, जो पारंपरिक कपड़े पहनकर लकड़ी की छोटी नावों पर सामान बेचती हैं। इनमें फल, सब्जियां, ताजा पका हुआ स्ट्रीट फूड, स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्प का सामान होता है। यह बाजार सुबह सात से नौ बजे तक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। इच्छुक खरीदार ही नहीं, इस अनोखी फ्लोटिंग मार्केट में घूमने और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी नाव से आते हैं।

ईमा कीथेल मार्केट

यह अनोखा बाजार भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में लगता है। यह बाजार लगभग 500 वर्ष पुराना है और एशिया के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता है। ईमा केथेल बाजार की नींव 16वीं शताब्दी में लल्लुप काबा के विरोधस्वरूप हुई मानी जाती है। उस समय पुरुषों को जबरन बंधुवा मजदूर बनाने और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए भेजने की प्रथा थी। जिसके चलते महिलाओं को घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्हें खेती, विभिन्न खाद्य पदार्थ, घरेलू सामान, परंपरागत सिलाई-बुनाई, हस्तकला निर्मित वस्तुओं का निर्माण,

मछली पकड़ने जैसे कार्य करके अपने उत्पाद बेचने पड़े। तभी यह बाजार अस्तित्व में आया।

आज ईमा कीथेल मार्केट दुनिया में एकमात्र ऐसा बाजार है, जो पूरी तरह से महिला विक्रेताओं तकरीबन (6000) द्वारा संचालित किया जाता है। ईमा कीथेल नाम का मणिपुरी भाषा में अर्थ मां का बाजार है, जिसमें प्रायः सभी दुकानदारों को ईमा या मां कह कर संबोधित किया जाता है। यह मुख्यतया तीन खंडों में बंटा हुआ है। जहां घरेलू सामान, फल-सब्जियां, मसाले, विभिन्न प्रकार के जलीय जीव, मणिपुरी पारंपरिक वस्त्र और बुनाई के उत्पाद मिलते हैं। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मणिपुर की महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, गौरव और सामाजिक-आर्थिक महत्व का एक जीवंत प्रतीक है।

मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट

थाईलैंड के सामुन सोंग खराम प्रांत में लगने वाली मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट को स्थानीय भाषा में तलात रोखूप या फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे अनूठे और रिस्की बाजारों में से एक है। यह बाजार अपनी बिक्री वाले सामान के लिए नहीं, बल्कि एक्टिव रेलवे ट्रैक के किनारे बने होने और भारी आवाजाही के कारण मशहूर है। यानी, बाजार के दुकानदार ही नहीं, खरीदार भी रेलवे ट्रैक पर सामान खरीदते-बेचते हैं। यहां ताजे फल, सब्जियां, समुद्री भोजन और अन्य घरेलू सामान मिलता है। इस बाजार का सबसे बड़ा आकर्षण और अनोखापन है ट्रेन का बाजार के बीचों-बीच दिन में आठ बार गुजरना। जैसे ही ट्रेन के आने का हॉर्न बजता है, सभी दुकानदार रेलवे ट्रैक तक पहुंचने वाले अपनी-अपनी दुकान के तिरपाल, छतरियां और सामान तुरंत हटा लेते हैं। रेलवे ट्रैक पर बेखौफ चलने वाले खरीदार भी रास्ता देकर ट्रेन के गुजरने का इंतजार करते हैं। ट्रेन के चले जाने पर बिना देर किए दुकानें फिर सजा लेते हैं और कुछ पलों के लिए थमे बाजार की रौनक दुबारा शुरू हो जाती है। यह अनूठी दिनचर्या जहां स्थानीय वाणिज्य और रेल परिवहन के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण है, वहीं यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

ग्रैंड बाजार

तुर्की देश के इस्तांबुल शहर में स्थित ग्रैंड बाजार को तुर्की भाषा में कापाली चार्शी कहा जाता है। इसका निर्माण 1455 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान मेहमेद द्वितीय के आदेश पर शुरू हुआ था। अपनी जटिल वास्तुकला, गुंबददार छत और ऐतिहासिक भव्यता के कारण यह बाजार सिर्फ

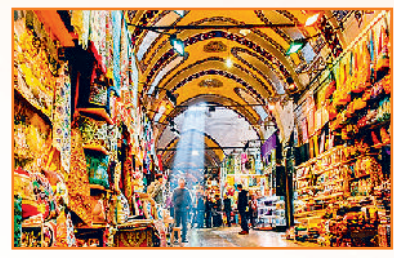

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। बल्कि तुर्की की संस्कृति, इतिहास और एशिया-यूरोप के मध्य में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में इस्तांबुल की भूमिका को दर्शाता, जीता-जागता संग्रहालय भी कहा जा सकता है। आज ग्रैंड बाजार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे खूबसूरत बाजारों में से एक है। इसमें 61 से अधिक कवर किए गलियारे और 4000 से अधिक दुकानें हैं। सदियों से व्यापार और वाणिज्य का केंद्र रहे ग्रैंड बाजार में लाखों पर्यटक और खरीदार रोजाना पहुंचते हैं। हस्तनिर्मित टर्किश कालीन, रंगीन सेरेमिक की वस्तुएं, सोने-चांदी के आभूषण, चमड़े के सामान के साथ विभिन्न प्रकार के मसाले, आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के लिए मोल-भाव करने का प्रचलन भी यहां है, जो आगुंतकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक रोमांचक बना देता है। *

डल झील बाजार

भारत के केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर की डल झील पर लगता है यह तैरता हुआ डल झील सब्जी बाजार। डल झील के बीच पानी में थोड़े समय के लिए लगने वाला बाजार कश्मीर घाटी की संस्कृति और सुंदरता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। यह भारत का इकलौता और दुनिया के चुनिंदा अनोखे बाजारों में एक है, जो पानी के ऊपर लगते हैं। इस बाजार का नजारा डल झील की शांत नीली पृष्ठभूमि और पहाड़ों की छाया के बीच कश्मीरी जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवासियों के गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। डल झील बाजार में रोजाना सुबह पांच से सात बजे तक चहल-पहल बनी रहती है। यानी इस बाजार से यदि किसी को सब्जियां खरीदनी हैं, तो उसे सुबह जल्द ही आना पड़ेगा। स्थानीय विक्रेता लोग शिकारा नाव पर सवार होकर इस बाजार में खुद उगाई सब्जियां लेकर बिक्री के लिए आते हैं। वहीं खरीदार भी अपने शिकारा पर सवार होकर आते हैं और चलते हुए एक नाव से दूसरी नाव पर खरीद-फरोख्त करते हैं।

यूनीक पेंटिंग / मनीष कुमार चौधरी

सदियों पहले इटेलियन पेंटर लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई अद्वितीय पेंटिंग मोनालिसा का आकर्षण अब भी बरकरार है। इस यूनीक पेंटिंग से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर एक नजर।

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा ने कल्पना को जितना मोहित किया है, उतना शायद ही किसी कलाकृति ने किया हो। उनके इस चित्र का रहस्य और आकर्षण 30 इंच X 20 इंच के साधारण फ्रेम से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वह किताबों, फिल्मों, गीतों और यहां तक कि एक कला चोरी का विषय भी है। समय के साथ पेंटिंग का वार्निश भले ही धुंधला और पीला पड़ गया हो, लेकिन उनकी भावपूर्ण मुस्कान और रहस्यमयी निगाहें अभी भी चमकती हैं।

कौन थी असली मोनालिसाः हालांकि मोनालिसा की पहचान को लेकर कुछ मतभेद हैं। लेकिन ज्यादातर विद्वानों और कला इतिहासकारों का मानना है कि यह चित्र फ्रांसीसी संभ्रांत महिला लिसा डेल जियोकोंडो का है, जो एक धनी रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। लिसा का जन्म 1479 में हुआ था और उन्होंने 15 साल की उम्र में फ्रांसेस्को से शादी की थी। वह बहुत सुंदर और आकर्षक थीं। लियोनार्डो ने 1503 में मोनालिसा को चित्रित करना शुरू किया और 1517 तक इस पर काम किया। हालांकि यह पेंटिंग डेल जियोकोंडो के घर में कभी नहीं सजी। लेकिन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुई।

स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमालः इस चित्र को बनाने में लियोनार्डो ने अपनी विशिष्ट स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें किसी व्यक्ति के फेस पेंटिंग में होंठों और आंखों के किनारों को सूक्ष्म रूप से धुंधला करके धुएं जैसा रहस्यमयी प्रभाव पैदा किया जाता है। इस प्रभाव से चित्र की आंखें विभिन्न भागों पर घूमती दिखती हैं, मुस्कुराहट बदलती हुई प्रतीत होती है। इस चित्र में ऐसे भाव प्रकट होते हैं, जिसको देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वह खुश है या उदास। वह मुस्कुरा रही है या नहीं। रहस्य का यही स्पर्श पेंटिंग के आकर्षण में इजाफा करता है और दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है।

रहस्यात्मक मुस्कानः मोनालिसा की मुस्कान एक सीधी-सादी, हर्षित मुस्कान नहीं है। इसे अकसर उदासी, गंभीरता या किसी रहस्य का संकेत देने वाली मुस्कान

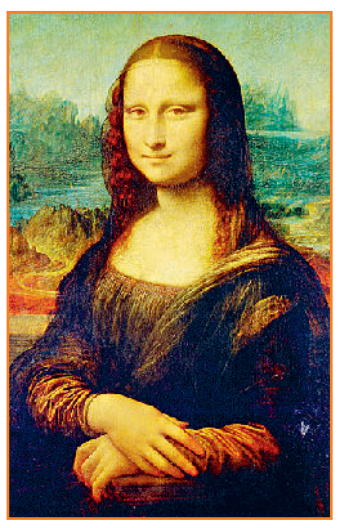

के रूप में वर्णित किया जाता है। यह मुस्कान लियोनार्डो की मानवीय अभिव्यक्ति और भावनाओं की बारीकियों को पकड़ने की असाधारण क्षमता को भी दर्शाती है। इस मुस्कान का पेंटिंग आर्ट पर अमिट प्रभाव रहा है, जिसने अनगिनत कलाकारों, लेखकों और फिल्म निर्माताओं को इसकी गहराई का पता लगाने और अपनी व्याख्याएं रचने के लिए प्रेरित किया है। इस पेंटिंग को अब तक की सबसे महान भावनात्मक पेंटिंग तक बताया गया है। कुछ इसे परंपरा से परे, परिभाषा से परे, छवि से परे सत्य की तलाश करते हुए पाते हैं। 'तुम्हारी मुस्कान मोनालिसा जैसी है।' यह कहने का मतलब है-रहस्य। यानी कोई मुस्कान रहस्य और जिज्ञासा से कैसे जुड़ जाती है, मोनालिसा की मुस्कान इसका एक सशक्त उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि मोनालिसा द्वारा अपनी मुस्कान में अपनी खुशी को पूरी तरह से व्यक्त न करने का कारण उनके पिछले नुकसान का दर्द था। यह सिद्धांत कई शोक संतप्त महिलाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है।

लियोनार्डो की कलात्मकता का कमालः लियोनार्डो ने चीजों को गहराई से देखने की अपनी क्षमता और अध्ययनों को अपनी कला में भी शामिल किया। मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में लियोनार्डो की अंतर्दृष्टि और गहरी समझ, उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अमूल्य बनाती है। एक अध्ययन के अनुसार, मोनालिसा के मुंह की मूल तस्वीर 97 प्रतिशत बार 'खुशी' के रूप में देखी गई। यह शोध इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि मुस्कान वास्तव में खुशी का चित्रण है। मुस्कान के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण और पुनर्निर्माण करके वैज्ञानिकों को इस बात की गहरी समझ मिली कि लियोनार्डो दा विंची अपनी कलात्मकता के माध्यम से दर्शकों की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते थे।

चोरी भी हो चुकी पेंटिंगः लियोनार्डो अपनी इस पेंटिंग को 14 साल तक अपने साथ रखे रहे। उनके प्रशंसक कलाकारों और छात्रों ने उनके जीवनकाल में ही इस कलाकृति की प्रतियां बनाना शुरू कर दिया था। यह चित्र अंततः लियोनार्डो के अंतिम संरक्षक फ्रांस के राजा फ्रांसिस प्रथम के संग्रह में शामिल हो गया। लेकिन 21 अगस्त 1911 को यह पेंटिंग चोरी हो गई। अगले दो सालों तक उसकी चोरी की कहानी एक सांस्कृतिक सनसनी बनी रही। वर्ष 1913 में विंसेंजो पेरुगिया नामक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने इसे चुराया था। इस तरह मोनालिसा वापस अपने फ्रेम में पहुंच गई। *

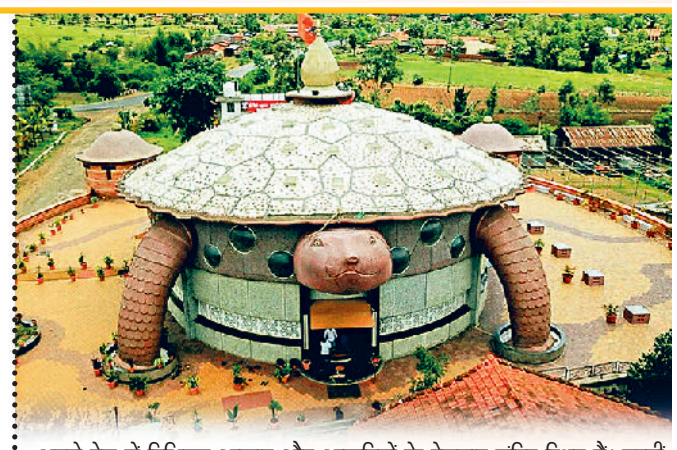

अपने देश में विभिन्न आकार और आकृतियों के बेशुमार मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक कछुए की आकृति वाला अनूठा मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। इस मंदिर की विशेषताओं और इससे जुड़ी निर्माण कथा के बारे में जानिए।

कछुए की आकृति वाला अजब-अनूठा मंदिर

रोचक / अशोक वाधवाणी

अपने भारत देश में बहुत सारे ऐसे अद्भुत, अनूठे मंदिर हैं, जिन्हें देखने वाला मंत्रमुग्ध होकर निहारता रह जाता है। इनकी स्थापत्य कला का नायाब नमूना हर किसी को अचरज से भर देता है। कुछ की संरचना इतनी भव्य और अनूठी है कि उसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। कुछेक मंदिर तो ऐसे हैं, जो आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें लोगों को आकर्षित करने की भरपूर क्षमता है। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर पश्चिम

अपने अनोखे स्ट्रक्चर के कारण प्रसिद्ध है यह मंदिर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पैजार वाडी नामक छोटे से स्थान में स्थित है, जो कि पन्हाला हिल स्टेशन के निकट है। कोल्हापुर-रत्नागिरी रोड पर, कोल्हापुर से महज 25 किमी. की दूरी पर बने इस मंदिर की विशेषता है, इसका कछुए की अनोखी आकृति का होना। कछुआ आकृति वाला दूसरा कोई मंदिर पूरे महाराष्ट्र में और कहीं नहीं है।

निर्माण से जुड़ी मान्यताः इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी मान्यता के अनुसार एक समय में यहां पर श्रीदत्त चिले महाराज के नाम से एक प्रसिद्ध संत हुआ करते थे। वे अपने अनुयायियों के साथ अलग-अलग जगहों का भ्रमण किया करते थे। कोल्हापुर शहर के आस-पास की जगहों जैसे- टेंबलाई, नृहिंहवाड़ी, कोकण क्षेत्र में जोंध मारुति आदि के अलावा पंढ़रपुर जैसी धार्मिक जगहों पर वे अकसर जाते रहते थे। वे जहां भी जाते थे, उस इलाके में रहने वाले कछुओं को अवश्य याद करते थे। किसी स्थान पर पहुंचकर वे जब अपने अनुयायियों से कहते कि कछुआ यहीं-कहीं होना चाहिए, तो उनके शिष्यों की भाग-दौड़ शुरू हो जाती। उन शिष्यों के अचरज का ठिकाना नहीं रहता, जब गुरुदेव के कहे स्थान पर कछुए का दर्शन हो जाता था। श्रीदत्त महाराज का कछुए के प्रति इतना लगाव-जुड़ाव क्यों था? इसकी सही-सही जानकारी नहीं मिली। लेकिन उनके अनुयायी और शिष्य मानते थे कि महाराज जहां कह देंगे, वहां कछुआ जरूर दिख जाता था। वर्ष 1986 में उनके देह त्यागने के बाद उनकी समाधि बनाई गई। मंदिर ट्रस्ट के सारे सदस्यों ने योजना बनाई कि चिले महाराज का कछुए के प्रति आकर्षण को ध्यान में रखकर कछुए की आकृति वाला मंदिर बनवाया जाएगा।

मंदिर की संरचना-विशेषताः कुल 5000 स्क्वायर फीट एरिया में बने इस मंदिर की ऊंचाई 51 फुट, लंबाई 60 फुट और चौड़ाई 80 फुट है। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के निर्माण में किसी भी खंबे का सहारा नहीं लिया गया है। इसकी खूबियों, खासियतों को ध्यान में रखकर ही एक अमेरिकन संस्था ने इसे वर्ष 2005 'आउटस्टैंडिंग स्ट्रक्चर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

ऐसे किया गया निर्माणः इस मंदिर की योजना को मूर्त रूप देने के लिए पुंडलिक राव इंगले ने विशेष प्रयास किए थे। इसे बनाने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइनें मंगाई गईं। आखिरकार 15 में से एक आर्किटेक्ट प्रमोद बेरी की डिजाइन का चयन किया गया। इस तरह मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। इस मंदिर के अंदर ही चिले महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुगणों की आस्था का केंद्र है।

लगता है श्रद्धालुओं का जमघटः ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष बाबा साहब चव्हाण के अनुसार देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का तांता, दर्शन करने के लिए इस मंदिर में लगा रहता है। कई विशेष धार्मिक अवसरों जैसे- श्रीदत्त जयंती, चिले महाराज जी की जन्मतिथि, पुण्यतिथि, हर माह की अमावस्या, गुरु पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि धार्मिक-आध्यात्मिक-सामाजिक अवसरों पर कई कार्यक्रमों का यहां आयोजन किया जाता है। *

जो फिल्में कॉमर्शियली सक्सेसफुल हैं, जरूरी नहीं कि वे कालजयी फिल्में भी हों। ऐसे ही यह भी जरूरी नहीं कि सदाबहार कालजयी फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड भी अच्छा रहा हो। बॉलीवुड की कुछ क्लासिक और कॉमर्शियली सक्सेसफुल फिल्मों के फंडे पर एक नजर।

बॉलीवुड की क्लासिक फिल्में वर्सेस कॉमर्शियली हिट फिल्में

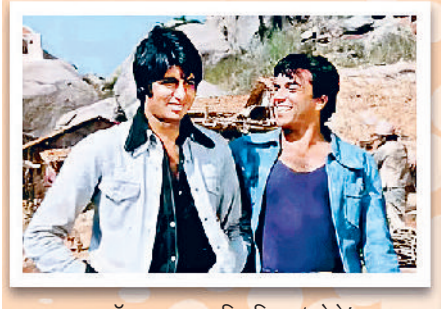

ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म 'शोले'

कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम'

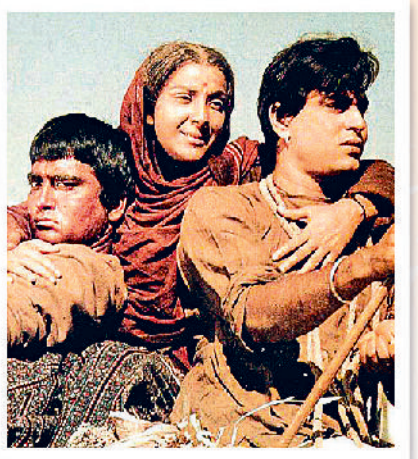

कालजयी फिल्मों में शामिल है 'मदर इंडिया'

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कालजयी फिल्में वे होती हैं, जिनमें कलात्मक उत्कृष्टता हो। वे सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, ये फिल्में ऐसे विषयों से जुड़ी होती हैं, जो मानवीय जीवन और अनुभव के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का माध्यम बनती हैं। इनकी प्रासंगिकता तात्कालिक नहीं होती। ये फिल्में दशकों बाद भी दर्शकों से जुड़ने में सक्षम रहती हैं। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कारोबारी सफलता भी बहुत मायने रखती है, पर सबसे बड़ी सफलता है किसी फिल्म का कालजयी होना।

कॉस्टिंग-इनकम-सक्सेस का फंडाः यह बात सच है कि किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन या फिल्म से इनकम के आधार पर उसे हिट या फ्लॉप का तमगा दे दिया जाता है। फिल्म की कमाई का सीधा सा अर्थशास्त्र यह है कि फिल्म अपनी कुल लागत से ज्यादा कारोबार करे। जो फिल्म जितना अधिक बिजनेस करती है, उस हिसाब से उसकी सफलता का आकलन किया जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस फैक्टर्सः बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की सक्सेस के अनेक फैक्टर्स होते हैं। आज के दौर में फिल्में अकसर जबर्दस्त एडवर्टाइजमेंट के साथ रिलीज होती हैं, जो तत्काल टिकट-बिक्री को बढ़ाती हैं। उनकी मार्केटिंग और प्रचार का भी मैजिकल अट्रैक्शन पैदा किया जाता है। यही दर्शकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि यह फंडा हर फिल्म के लिए सफल नहीं होता, इसलिए क्योंकि ये इफेक्ट टेंपरेरी हो सकते हैं, जो ऑडियंस को एक बार थिएटर तक खींच सकते हैं, लेकिन अगर फिल्म कंटेंट में दम नहीं है तो कुछ ही समय में सारा प्रचार का जादू फेल भी हो जाता है।

क्लासिक फिल्मों की खासियतः सवाल यह भी है कि अधिक निर्माण लागत और अच्छी-खासी कमाई वाली सभी फिल्में क्या लंबे समय तक दर्शकों को याद रह पाती हैं? इसका जवाब है, शायद नहीं, क्योंकि फिल्में महंगी निर्माण लागत या कमाई से नहीं, बल्कि अपने कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय से याद रखी जाती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जिसने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई, लेकिन उन फिल्मों की कहानी या कलात्मकता ऐसी नहीं थी कि उन्हें समय के साथ याद रखा जाए। वहीं कुछ फिल्में कम बजट में बनीं, कम चलीं, लेकिन कालजयी हुईं। करोड़ों का कारोबार करने वाली सभी सुपरहिट फिल्में कालजयी इसलिए नहीं बन पातीं क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता व्यावसायिक पहलुओं जैसे मार्केटिंग, प्रचार और दर्शकों की तात्कालिक पसंद पर निर्भर होती है। जबकि कालजयी फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली कला, गहराई और स्थाई सामाजिक प्रासंगिकता से जन्म लेती हैं। बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म का हिट होना, अकसर एक विशिष्ट समय की प्रवृत्ति होती है, जो समय के साथ धुंधली हो सकती है। लेकिन कालजयी फिल्में मानवीय भावनाओं, विचारों और सामाजिक बदलावों को पकड़ती हैं, जो उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी प्रासंगिक बनाती हैं।

बहुत कम बनती हैं कालजयी फिल्मेंः सौ सालों से ज्यादा लंबे भारतीय फिल्म इतिहास में आज भी ऐसी फिल्में अंगुली पर गिनी जा सकती हैं, जो हर दौर में पसंद की जाती रही हैं। 'कालजयी' का मतलब है, समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखना। कालजयी फिल्में समय काल के सामाजिक रुझानों, तकनीकी नवाचारों या विशिष्ट जनसांख्यिकी को पूरा करती हैं, जो समय के साथ बदल भी सकती हैं।

कालजयी फिल्मों के जरूरी तत्वः अगर फिल्मों को कालजयी बनाने वाले तत्वों की बात की जाए, तो उनमें कलात्मक गुणवत्ता बेहद जरूरी है। कई व्यावसायिक फिल्में तकनीकी या कलात्मक गहराई की कमी दिखाती हैं। प्रासंगिकता के नजरिए से कहा जाए, तो कालजयी फिल्में सार्वभौमिक विषयों जैसे प्यार, न्याय या मानवीयता की नैतिक दुविधाओं को उजागर करती हैं, जो किसी भी समय में दर्शकों के साथ जुड़ जाती हैं। ऐसी फिल्में जो समाज में गहराई से जुड़ती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों को प्रेरित करती हैं या मानवीय अनुभव की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों कमाए, लेकिन कुछ सालों बाद उन्हें भुला दिया गया है, क्योंकि वे किसी विशेष समय की उपज थीं। दूसरी और ऐसी फिल्में भी हैं, जिन्होंने रिलीज के समय बड़ी कमाई नहीं की, लेकिन अपनी कलात्मक गुणवत्ता, कहानी और स्थायी विषयों वाले कथानक की वजह से आज भी याद की जाती हैं और देखी जाती हैं।

कॉमर्शियली फ्लॉप पर क्लासिक 'मेरा नाम जोकर'

कुछ कालजयी हिंदी फिल्मेंः बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो अपने रिलीज के दशकों बाद भी अपना एक अलग मुकाम रखती हैं। इन फिल्मों को हर दौर में हर पीढ़ी के दर्शकों का प्यार मिला। 'कागज के फूल', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'शोले', 'दीवार', 'उमराव जान' जैसी फिल्मों को आज भी दर्शक याद करते हैं। इन फिल्मों की गिनती बॉलीवुड के क्लासिक कल्ट के रूप में होती है। खास बात यह है कि इन फिल्मों ने व्यावसायिक रूप से भी सफलता के झंडे गाड़े थे।

कई फिल्में अपने समय में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, लेकिन बाद में उन्हीं फिल्मों को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक का दर्जा मिला। उदाहरण के तौर पे 'मेरा नाम जोकर' और 'सिलसिला' जैसी फिल्मों को देखा जा सकता है।

ये वे फिल्में हैं, जो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय रिश्तों की गहरी समझ को भी प्रस्तुत करती हैं, जिससे वे हमेशा के लिए कालातीत बन जाती हैं। *